तोताराम 'सरस'
जन्मतिथि- 01.01.1954
जन्मस्थान - सुदामा का वास (अलीगढ़)
पिता का नाम- श्री कन्हैयालाल शर्मा
माता का नाम- श्रीमती कलावती देवी
मोबाइल नम्बर - 9719907586

जीवन में पाले रहो, नित्य नई उम्मीद।
सुन्दर भावों को कभी, मत लेने दो नींद।।
मत लेने दो नींद, साहसी बनकर जी लो।
कर मन में संतोष, अभावों का विष पी लो।
बनकर आशावान, रहो अविचल निज मन में।
हो सुखदायी भोर, 'सरस' सुखमय जीवन में।।

****

सद्भावों की गंध से, महकायें संसार।
बदले में संसार से, मिले असीमित प्यार।।
मिले असीमित प्यार, सभी सम्मान करेंगे।
खुशियों के भण्डार, सहज बहुभाँति भरेंगे।
हो जीवन रंगीन, सजे दुनिया ख्वावों की।
फैले अगर सुगंध हमारे सद्भावों की।। ।

****

अंतर्मन की स्वच्छता, दे पावन संदेश।
यदि अंतर्मन स्वच्छ तो, सद्गुण करें प्रवेश।।
सद्गुण करें प्रवेश, भाव हों निर्मल निर्मल।
हो जाये व्यवहार, पूर्णतः निश्छल निश्छल।
खुद का करें सुधार, सुधर जायेगा जन जन।
देख सुखद परिणाम, प्रफुल्लित हो अंतर्मन।।

****

छोड़ें क्षुद्र विचार को, अहंकार दें छोड़।
रुढ़िवादिता के सभी, बंधन डालें तोड़।।
बंधन डालें तोड़, फसादों की जड़ काटें।
भरसक करें प्रयास, दिलों की खाई पाटें ।
मन से मन के तार, 'सरस' आपस में जोड़ें।
सबसे रखें लगाव, किसी को अलग न छोड़ें ।।

****

हालातों का सामना, जो लें करना सीख।
नहीं पड़ेगी माँगनी, कभी दया की भीख।।
कभी दया की भीख, रास्ता स्वयं बनाकर।
हर बाधा कर पार, पहुँच जायेंगे मंजिल पर।
देंगे वे मुख मोड़, तीव्र झंझावातों का।
उन्हें न किंचित मात्र, कभी डर हालातों का।।

****

दुख में जो सुख खोजते, वे ही रहें प्रसन्न।
जीवन में रहते सदा, खुशियों से सम्पन्न।।
खुशियों से सम्पन्न, शान्ति निज मन में पाते।
स्वाभिमान के साथ, जिन्दगी 'सरस' बनाते।
मन पर कसें लगाम, जियें बस वे ही सुख में।
जिन्हें नहीं संतोष, जिन्दगी उनकी दुख में ।।

****

हसते रहना ही सदा, जीवन में उपयुक्त।
हँसते हँसते जिन्दगी, हो तनाव से मुक्त।।
हो तनाव से मुक्त, सुगम हों पथ जीवन के।
विहँसें बारहमास, सुमन निज मन उपवन के।
सौ बातों की बात, 'सरस' यह मानो कहना।
जीवन में अनिवार्य, हमेशा हँसते रहना।।

****

आया है किस वेग से, फैशन में बदलाव।
लड़का लड़की का हुआ, अब समान पहनाव।।
अब समान पहनाव, नहीं पहचाने जाते।
जुल्फ डिजाइन एक, एक सी जीन्स चढ़ाते।
लिए विदेशी ढंग, ढंग देशी न सुहाया ।
यह फैशन का दौर, देश में कैसा आया।।

****

गौ माता इस देश की, है अनुपम पहचान।
भारतवासी पूजते, इसको माता मान।।
इसको माता मान, पूजते पूरे मन से।
रख गौ सेवा भाव, सुखी हों तन-मन-धन से।
पंचगव्य से रोग, सहज हर इक कट जाता।
करती है कल्याण, कष्टहारिणि गौ माता।।

****

हारे हैं सब वक्त से, वक्त बड़ा बलवान।
नहीं भूलना चाहिए, कभी वक्त का ध्यान।।
कभी वक्त का ध्यान, वक्त को हम पहचानें।
चलें वक्त के साथ, व्यर्थ की ठान न ठानें ।
दिखलाता है वक्त, जगत में अजब नजारे।
नहीं वक्त की हार, वक्त से सब हैं हारे।।

****